A-618

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DPJ-103

विवाह मेलापक एंव गोचर विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. अष्ट कूट को बताते हुए भकूट और नाड़ी गुणों का सविस्तार वर्णन करें।

Q.2. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार विवाह में स्त्री के गुणदोष आदि का वर्णन करें।

Q.3. मांगलिक दोष (मंगल दोष) से आप क्या समझते हैं? सविस्तार से वर्णन करें।

Q.4. आयु विचार करते हुए अल्प–मध्य–दीर्घायु योगों का वर्णन करें।

Q.5. गोचरीय नक्षत्रों के फल का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. द्वादश भावों में लग्नेश की भूमिका पर एक निबंध लिखें।

Q.2. संतान प्रतिबंधक में किन–किन भावों एंव ग्रहों की भूमिका होती है? सोदाहरण स्पष्ट करें।

Q.3. शुक्र एंव शनि ग्रहों के द्वारा प्रदत्त गोचर फलों का वर्णन करें।

Q.4. विंशोत्तरी दशा से आप क्या समझते हैं?

Q.5. नवपंचम षडाष्टक एंव द्विर्द्वादश भागों से आप क्या समझते हैं?

Q.6. अष्टकूट मिलान एंव उपयोगिता का संक्षिप्त में वर्णन करें।

Q.7. शनि की ढैय्या से आप क्या समझते हैं? सोदाहरण स्पष्ट करें।

Q.8. ग्रहों के भेद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करें।

अथवा

पंचम भाव का विस्तार से वर्णन करें।

****